जब कोई वृद्ध रोगी मिर्गी से पीड़ित हो तो आपको ये काम करने से बचना चाहिए[7]

जब तक दौरा पूरी तरह खत्म न हो जाए और व्यक्ति फिर से पूरी तरह से होश में न आ जाए, तब तक उसके मुंह में कोई भी चीज जबरदस्ती न रखें। इसमें दवाएं या तरल पदार्थ भी शामिल हैं।

मांसपेशियों की गतिविधियों पर रोक न लगाएं क्योंकि इससे मांसपेशियों को क्षति हो सकती है। इससे अस्थिभंग (फ्रैक्चर) भी हो सकता है क्योंकि बुजुर्ग मरीजों की हड्डियां नाजुक हो सकती हैं।

मिर्गी से पीड़ित अधिकांश वृद्ध रोगी उचित उपचार से दौरे पर अच्छा नियंत्रण पा सकते हैं।[4,8]

मिर्गी से पीड़ित 62% तक वृद्ध रोगी दो साल के बाद दौरे से मुक्त हो सकते हैं।[9]

References:

1. Liu S, Yu W, Lü Y. The causes of new-onset epilepsy and seizures in the elderly. Neuropsychiatr Dis Treat. 2016 Jun 17;12:1425-34.
2. Amudhan S, Gururaj G, Satishchandra P. Epilepsy in India I: Epidemiology and public health. Ann Indian Acad Neurol. 2015 Jul-Sep;18(3):263-77.
3. Schachter SC. Seizure triggers [Internet] [Updated 2022]. Available at: https://www.epilepsy.com/what-is-epilepsy/seizure-triggers #What-are-some-commonly-reported-triggers? Accessed on Oct 20, 2022.
4. Epilepsy & seizure in older adults [Internet] [Sep 13, 2021]. Available at: https://www.cdc.gov/epilepsy/communications/features/olderadults.htm. Accessed on Jan 13, 2023.
5. Advice for patients who have epilepsy and/or seizures. Available at- https://www.stgeorges.nhs.uk/wp-content/uploads/2015/06/AMC_SAE_01.pdf. Accessed on Oct 20, 2022
6. Epilepsy - first aid and safety [Internet] [Updated Mar 11, 2020]. Available at: https://www.betterhealth.vic.gov.au/health/conditionsandtreatments/epilepsy-first-aid-and-safety#epilepsy-and-your-safety. Accessed on Jan 13, 2023.
7. Seizures and seniors [Internet]. Available at: https://epilepsychicago.org/what-is-epilepsy/first-aid/first-aid-for-seniors/. Accessed on Feb 10, 2023.
8. Epilepsy. Available at: https://www.who.int/news-room/fact-sheets/detail/epilepsy. Accessed Oct 20, 2022.
9. Acharya JN, Acharya VJ. Epilepsy in the elderly: Special considerations and challenges. Ann Indian Acad Neurol. 2014 Mar;17 (Suppl 1):S18-26.

MAT-IN-2301335-V1.0-06/2023

sanofi

वृद्धों में मिर्गी

दुनियाभर में, प्रति वर्ष प्रति 100,000 में से 240 वृद्ध रोगी (≥65 वर्ष) मिर्गी से पीड़ित होते हैं।[1]

भारत में प्रति 1,000 वृद्ध आबादी में से लगभग 12 लोग मिर्गी से पीड़ित हैं।[2]

वृद्धावस्था में मस्तिष्क की चोटों या अन्य कारकों के कारण दौरे पड़ना अधिक सामान्य हैं:[1]

- मस्तिष्क काव्यूमर
- सिर पर चोट
- मस्तिष्क संक्रमण
- उम्र से संबंधित बीमारियाँ (जैसे, स्ट्रोक, मनोभ्रंश, अल्जाइमर रोग, और क्रूट्ज़ फेल्ट–जैकब रोग)

इसके अलावा, कुछ कारक भी वृद्धों में मिर्गी का कारण बन सकते हैं, जैसे:[3]

- निम्न रक्त शर्करा का स्तर
- शराब/नशीली दवाओं का दुरुपयोग और निकासी
- तनाव
- अत्यधिक कैफीन का सेवन करना
- बीमारी (बुखार के साथ/ बुखार के बिना)
- निर्जलीकरण और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन
- चमकताा चमकदार प्रकाश
- नींद की कमी
- यकृत और गुर्दे की समस्याएं
- विटामिन और पोषक तत्वों की कमी

आप वृद्धों, में मिर्गी के निम्नलिखित लक्षणों को देख सकते हैं[4]

- आसमान की ओर ताकना
- असामान्य गतिविधियाँ
- लक्ष्यहीन तरीके से चलना / भटकना
- बात करने/सवालों का जवाब देने में असमर्थ होना
- असमंजस/ भ्रांति
- आसपास के माहौल से अनजान रहना
- जमीन पर गिरना और कांपना

यदि आपके परिवार में कोई वृद्ध सदस्य दौरे से पीड़ित है, तो आप निम्नलिखित सावधानियां बरत सकते हैं:[5,6]

नहाते (शॉवर लेते)` समय उन्हें दरवाज़ा बंद न करने दें। खासकर स्लाइडिंग दरवाजे और बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे हों।

शॉवर चेयर का उपयोग करें और केवल तभी नहाने (शॉवर लेने) का काम करें जब कोई घर पर हो।

कांच से बनी वस्तुओं के इस्तेमाल से बचें

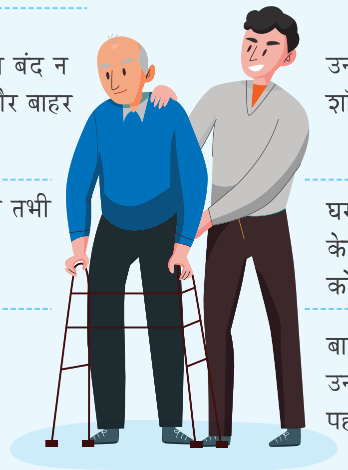

उन्हें नहाने के बजाय शॉवर लेने दें

घर में नुकीले कोनों (उदाहरण के लिए, पलंग के कोने) को ढक दें

बार–बार गिरने की स्थिति में उन्हें सुरक्षात्मक हेलमेट पहनने दें